धनुषा जिलाक तल्लो गोदारमे कएल गेल शवोत्खननक संक्षिप्त प्रतिवेदन

२०७१ जनकपुर

(पत्रकार सम्मेलनमे प्रस्तुत)

शवोत्खननक समय :

पहिल चरण : २०६७ भादव २१ सँ आसिन २ गतेधरि

दोसर चरण: २०६७ फाल्गुण १ सँ ४ गतेधरि

१. पृष्ठभूमि

धनुषा जिला जनकपुर नगर पालिका वार्ड नम्बर १० रहनिहार २४ वर्षीय सञ्जीव कुमार कर्ण, ओत्तइ रहनिहार २३ वर्षीय दुर्गेश लाभ, जनकुर वार्ड नं.४ रहनिहार २१ वर्षीय 'मछली' कहल जायबला जितेन्द्र झा, कुर्था गाउँ विकास समिति वार्ड नं.१ रहनिहार १७ वर्षीय प्रमोद नारायण मण्डल आ दुहवी गाविस वार्ड नं.७ रहनिहार १७ वर्षीय शैलेन्द्र यादवसहित ५ गोटेकेँ वि.सं.२०६०/६/२१ गते जनकपुर न.पा.वार्ड नं.४ सँ सुरक्षाकर्मी पकडिकऽ बेपत्ता कएल गेल कहैत पीडित परिवारक सदस्य जयकिशोर लाभद्वारा आयोगमे निवेदन दर्ता कएल गेल छल । एहि सम्बन्धमे आयोगसँ निवेदनउपर अनुसन्धान कऽ हुनकासभकेँ सुरक्षाकर्मी गैरन्यायिक हत्या कएने से निश्चय करैत २०६४/१०/१५ गतेक निर्णय अनुसार मानव अधिकार उल्लंघन काजमे संलग्न दोषी तत्कालीन क्षेत्रीय प्रहरी इकाई कार्यालय जनकपुरक वरिष्ठ प्रहरी उपरीक्षक चुडाबहादुर श्रेष्ठ, जिला प्रहरी कार्यालय धनुषाक तत्कालीन प्रहरी उपरीक्षक कुबेरसिंह राना, धनुषा जिला धारापानी गाविसस्थित सैनिक व्यारेक श्री नम्बर ९ बाहिनी फिल्डक तत्कालीन मेजर अनुप अधिकारी आ धनुषा जिलाक तत्कालीन प्रमुख जिला अधिकारी रेवतीराज काफ्लेउपर अनुसन्धान कऽ कानुनअनुसार कारबाई करबालेल आ पीडितक परिवारकेँ क्षतिपूर्तिस्वरुप तीन-तीन लाख रूपैया उपलब्ध करएबालेल आयोग नेपाल सरकारकेँ सिफारिस कएने छल । ताहिमे एखनधरि पीडित परिवार ओ क्षतिपूर्ति आ नेपाल सरकारद्वारा द्वन्द्वपीडितकेँ देलगेल एक लाख रुपैया, दुनू जोडिकऽ प्रति परिवार चारि लाख रुपैया राहतस्वरुप प्राप्त कएने अछि । सँगहि, साउन ४ गते आयोगक उपस्थितिमे अन्तिम संस्कारक लेल नेपाल सरकार प्रति परिवार ४० हजार रुपैया उपलब्ध करओने अछि ।

२. शवोत्खनन प्रकृया आ प्राप्त तथ्य

पीडित परिवारद्वारा जिला प्रहरी कार्यालय धनुषामे दर्ता कराओल निवेदन उपर अनुसन्धानक क्रममे जिला सरकारी वकिल कार्यालय धनुषा २०६६/८/१० गते जिला प्रहरी कार्यालय धनुषाकेँ शवोत्खनन कऽ अनुसन्धान करबालेल निर्देशन देने छल । जाहिमे ५ गोटे युवाक शव धनुषा जिलाक तल्लो गोदार गाविस वार्ड नं. ३ स्थित कमला नदीक कछेरमे गाडल आशंका आयोगक अनुसन्धान टोलीक प्रतिवेदनमे कएल गेल छल । वएह प्रतिवेदनकेँ आधारमे राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगक मिति २०६७/४/२७ क निर्णयसँ शव गाडल आशंकित स्थानसँ शवोत्खनन करबालेल नेपाल प्रहरीकेँ निर्देशन देबाक आ आयोगसँ राष्ट्रिय आ अन्तर्राष्ट्रिय विशेषज्ञक सहयोग लेबाक निर्णय कऽ नेपाल सरकार गृह मन्त्रालयकेँ पत्राचार कएल गेल छल ।

एहि सम्बन्धमे नेपाल सरकारक गृहमन्त्री, मुख्य सचिव, सम्बन्धित मन्त्रालयक सचिव, महान्यायाधिवक्ता, प्रहरी महानिरीक्षक सहितक उच्च अधिकारीसँ २०६७ भादव १८ गते परामर्श कऽ आयोगक सहकार्यमे नेपाल प्रहरीसँ शवोत्खनन करबाक निश्चय भेल छल । एहि सम्बन्धमे भादव १९ गते मानव अधिकारकर्मी तथा नागरिक समाजक प्रतिनिधिसँ सेहो परामर्श कएल गेल छल ।

राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय विशेषज्ञ एवं नेपाल प्रहरी सामिल रहल शवोत्खनन टोली गठन कऽ पहिल चरणमे २०६७ भादव २१ सँ आसिन २ गतेधरि तल्लो गोदारमे शवोत्खनन कऽ ४ टा मानव अवशेष उत्खनन् कएल गेल छल । दोसर चरणमे २०६७ फागुन १ सँ ४ गतेधरि शवोत्खनन कऽ बााकी एकटा शव उत्खनन कएल गेल छल ।

पााचटा शव गाडल आशंका कएलगेल स्थानमे वैज्ञानिक विधिद्वारा ट्रेन्च बनाकऽ मानव अवशेष खोजबाक काज कएल गेल छल । एहिक्रममे ६४ टा “ट्रेन्च”, ९ टा “एक्स्टेन्शन” आ ४ टा “ब्लक” खनिकऽ आशंकित स्थानमे शव उत्खनन कएल गेल छल ।

उत्खनन कएलगेल पााचो मानव अवशेषकेँ पहिचानके लेल डी.एन.ए.परीक्षण करबालेल मारलगेल आशंका कएल व्यक्तिक मायबापसहित १९ गोटे परिजनकेँ विशेषज्ञद्वारा शोणितक नमूना संकलन कएल गेल छल ।

सभ मानव अवशेषकेँ त्रि.वि.वि.महाराजगञ्ज क्याम्पस, फरेन्सिक विभागमे परीक्षण कएलगेल छल आ मानव अवशेषक डी.एन.ए. परीक्षण Labrotary of Biology Department of Forensic Medicine Hjelt Institute University of Helsinki Finland मे कएल गेल छल । नेपाल सरकार, राष्ट्रिय विधि विज्ञान

प्रयोगशालामे पीडितक परिजनसँ लेलगेल शोणितकेँ डी.एन.ए. परीक्षण कऽ हेलसिन्कीसँ प्राप्त मानव अवशेषक डी.एन.ए.प्रतिवेदनसा कएलगेल तुलनात्मक विश्लेषणक आधारमे मृतकसभक पहिचान भेल अछि ।

डी.एन.ए. प्रतिवेदनक विश्लेषणक आधारमे -

१) शंकित नमुना Body १ केँ जैविक माय विमलादेवी हएबाक सम्भावना ९९.८५२१ प्रतिशत अछि । (जाहि अनुसार ओ अवशेष सञ्जीवकुमार कर्णक छल)

२) शंकित नमुना Body २ केँ जैविक माय इन्दिरा झा हएबाक सम्भावना ९९.९९६६ प्रतिशत अछि । (जाहि अनुसार ओ अवशेष जितेन्द्र झाक छल)

३) शंकित नमुना Body ३ केँ जैविक बाप बौएराम यादव हएबाक सम्भावना ९९.८५१३ प्रतिशत अछि । (जाहि अनुसार ओ अवशेष शैलेन्द्र यादवक छल)

४) शंकित नमुना Body ४ केँ जैविक बाप राम औतार मण्डल हएबाक सम्भावना ९९.९९९८ प्रतिशत अछि । (जाहि अनुसार ओ अवशेष प्रमोद नारायण मण्डलक छल)

५) शंकित नमुना Body ५ केँ जैविक माय गायत्रीदेवी कर्ण हएबाक सम्भावना ९९.५६७१ प्रतिशत अछि । (जाहि अनुसार ओ अवशेष दुर्गेश लाभक छल)

संकलन कएलगेल व्यालेष्टिक प्रमाणक परीक्षण केन्द्रीय प्रहरी विधि विज्ञान प्रयोगशालामे कएल गेल छल ।

उत्खनन कएलगेल ५ टा मानव अवशेषमेसँ ४ टा मानव अवशेष माथमे आखि झाँपिकऽ पट्टी बान्हल (Blindfold) अवस्थामे पाओल गेल छल । एकटा मानव अवशेषमे माथकेँ पुरा भाग नईं छल ।

उत्खननके बाद विशेषज्ञसँ तयार कएलगेल Forensic Anthropology Report मे पीडितक मृत्युक कारण "The causes of death of the five (5) individuals are multiple gunshot wounds to the vertebral columns and skulls respectively आ The manner of death of the five (5) individuals is

homicide; the persons were shot by others using rifled firearms लिखल अछि ।

शवोत्खनन सेहो कएलगेल एहि अनुसन्धानसँ मृतकसभक पहिचान भेलाक बाद आयोगसँ पीडितसभसँ कएलगेल परामर्शक क्रममे मृतककेँ परिवार जत्तेक जल्दी हुअए अपन धर्म संस्कृति अनुरुप अन्तिम संस्कार करबाक इच्छा औपचारिक रुपमे व्यक्त कएने छल । तेँ राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग 'शवोत्खनन् मार्ग निर्देशिका, २०६९' दफा ४ (ग) के खण्ड ७ अनुसार पीडित परिवारजनक सांस्कृतिक अधिकारक संरक्षणार्थ पीडित परिवारक परामर्शमे बेपत्ता कएलगेल बुधदिन कऽ आइ २०७१ साल श्रावण ७ गते ओ सभ मानव अवशेष पीडितक परिवारकेँ बुझएबालेल आयोगसँ देलगेल निर्देशन अनुसार नेपाल सरकार आइए जनकपुर देवी चौकमे मानव अवशेष हस्तान्तरण करऽ लागल अछि ।

३. निष्कर्ष

आयोगक अगुवाइमे भेल अनुसन्धानसँ बेपत्ता कएलगेल पाचो गोटेकेँ सुरक्षाकर्मी नियन्त्रणमे लऽकऽ गोली प्रहार कऽ माइरदेने बात पुष्टि भेल अछि, तेँ हुनकासभक अवस्था सार्वजनिक भेल अछि ।

उत्खननके बाद विशेषज्ञसँ तयार कएलगेल Forensic Anthropology Report पीडितक मृत्युक कारण "The causes of death of the five (5) individuals are multiple gunshot wounds to the vertebral columns and skulls respectively आ The manner of death of the five (5) individuals is homicide; the persons were shot by others using rifled firearms से लिखल गेलाक कारणेँ अपन नियन्त्रणमे रहल पाचोगोटे पीडितकेँ सुरक्षाकर्मी गोली प्रहार कऽ मारने स्पष्ट भेल अछि ।

शव उत्खनन कएलगेल स्थानमे गोली आ गोलीक खोका भेटल छल तेँ मारल गेल व्यक्तिकेँ शव गाडल स्थानेमे गोली प्रहार कऽ मारल गेल पुष्टि भेल अछि ।

माथसहित पत्ता लागल चारिटा मानव अवशेषकेँ आखिमे पट्टि बान्हल (Blindfold) छल तेँ ओ सभ व्यक्तिकेँ मनसायपूर्वक हत्या कएलगेल स्पष्ट होइत अछि आ गम्भीर मानव अधिकार हननकेँ अवस्था रहल पुष्टि होइत अछि आ एहन काज मानव अधिकारसम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय कानुन अनुसार मानवता विरूद्धक जघन्य अपराध अन्तर्गत अबैत अछि ।

प्रहार कएल गोलीक खोकाकेँ परीक्षणसँ एसएलआर हतियारक प्रयोग भेल पुष्टि भेल अछि, आ सशस्त्रद्वन्द्वक क्रममे ओहन हतियार नेपाल प्रहरीकेँ नईं भऽकऽ नेपाली सेनाक प्रयोगमे रहल स्पष्ट भेलाक कारणेँ ओ घटनामे तत्कालीन शाही नेपाली सेनाक प्रत्यक्ष संलग्नता रहल अछि ।

ई तथ्यसभ शवोत्खनन होबऽसँ पहिनहिा आयोगकेँ प्राप्त प्रमाणकेँ विश्लेषण कऽ ई आयोग नेपाल सरकारकेँ २०६४ माघ १५ मे कएल सिफारिशकेँ आओर पुष्टि करैत अछि तेँ ओ घटनामे संलग्न दोषीसभकेँ अविलम्ब फौजदारी अभियोगमे कारवाही होयबाक चाही ।

पीडितक परिवारकेँ अपन परम्परा अनुसार परिजनकेँ अन्तिम संस्कार करबाक अधिकार सुनिश्चित करैत हुनकासभकेँ परिपूरण, न्याय आ सम्मानक लेल आओर काजसभ कएल जयबाक चाही ।

मानव अधिकारक सम्मान आ संरक्षणक लेल नेपाल सरकार, राजनीतिक दल तथा नागरिक समाज बेशी संवेदनशील आ प्रतिबद्ध हएब आवश्यक अछि ।

अन्तमे, शवोत्खनन काजमे क्रियाशील भऽ पीडितक मानव अधिकार संरक्षणमे सहयोग कएनिहार नेपाल सरकार, नेपाल प्रहरी, राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय विशेषज्ञसभ, हेलसिन्की विश्व विद्यालय आ जर्मन विकास संस्था, मानव अधिकारकर्मी, नागरिक समाज, सञ्चारकर्मी, स्थानीय प्रशासन, आयोगक पूर्वसदस्य, तल्लो गोदारक स्थानीय बासी, संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानव अधिकार उच्चायुक्तक कार्यालय तथा आइ.सी.आर.सी.प्रति आयोग आभार व्यक्त करैत अछि । खासकऽ अपन अति प्रिय तथा परिजनकेँ मृत्युक कठोर पीडाक बाबजुद सत्य तथा न्यायक लेल पीडित परिवारक सम्पूर्ण सदस्यसभसँ देखाओल गेल उच्च धैर्यता आ शवोत्खनन काजमे आयोगकेँ प्राप्त सहयोग आ सद्भावक लेल आयोग हार्दिक आभार व्यक्त करैत पीडित परिवारकेँ धैर्यधारण करबाक शक्ति भेटए आ न्याय प्राप्तिक लेल सभ पक्षसँ पूर्ण सहयोग होय से कामना करैत मृतकप्रति आयोग भावपूर्ण श्रद्धाञ्जली व्यक्त करैत अछि आ एहि तरहक घटना भविष्यमे कोनो बहन्नामे कत्तउ नईं पुनरावृत्ति हुअए से अपेक्षा करैत अछि ।

धन्यवाद ।